

二

साल २०२२-२३

Date _____
Page _____

Date _____
Page _____

卷之三

used Cello; 8 - 12/11/20

15. 12. 1915. 50 रुपये -

19770 - 08/08/2022

15400

1. देवेंद्र अस्तित्व निर्माण के लिए अनुश्चालन समिक्षा विभाग
परिवर्तन करने की ज़रूरत है। इसके बाहर आवश्यक है कि विभाग
परिवर्तन के लिए विभाग की विभिन्न विभागों के बीच सम्पर्क
जाहाजियालय के विभागों द्वारा उत्तराधिकारी परिवर्तन
जाहाजियालय के विभागों द्वारा उत्तराधिकारी परिवर्तन।

9

جعفر بن محبث

• 55 110419348 190 0000 1250 3116 190 4516 4000

प्राच्याय डा. गणेश - अंडा ने को हमें तदनुष
तालिका अग्र २०२२-२३ मी. मानविकास एवं प्रशिक्षण
वाले विधायियों द्वारा अनुशासन संबंधी निर्देश

३१२ दिसंबर २०११

EDGAR

Lighter

Govt. College Ghar�oda
Distt. Raigarh (C.G.)

11/29/01 2:30 PM CDR 100 15674 1215 10000
11/29/01 2:30 PM CDR 100 15674 1215 10000 #

July 08, 2022 ✓
06-08-2022

9
8
7
6

ପାତ୍ର କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

Pinkie
06.10.2022

ଦିନାଂକ - ୧୧/୧୦/୨୦୨୨

समय - 3.00 ब

11
12

अनुशासन प्रभारी 'सलोध कुमार देवोगन' ने बहुत कुमुख्य संज्ञिता पर प्रकाश डाला। तथा प्रत्याप सहित सभी सदस्यों को उचित कायवली है।

बी. राजथान वर्ष के लात सप्त शुप्र में बाजि
फोटोग्राफ शियर किया गया है, अतः इस भविध
कागिनी हरे चर्ची करना।

प्रथम वर्ष के दृष्टसापु त्रुप में बतियि
फोटोग्राफ़ शैयर किया गया है, अतः इस संबोध
में कायबोली हुई चर्चा करना।
महात्माजी के सभी व्याप्तियापु के उचित
संधारणा वा देखरेख हुई निर्देश साक्षात्कार चर्चा

* ୧୮

बी. रु. प्रथम के अधीन वास्तविक सभा में उपस्थिति
कोन से बताते होता था कि शोध विधि गवायी गई तिरिया
उसको नाम कृष्ण उमा राठिया पिला श्री कीरियाम

ଆସକିଯ ମାତ୍ରାବିଧାଳ୍ୟ ଭରଧୋଇ ମେ ଅଧି
ବିନୋଦ ୧୧-୧୦-୨୦୨୨ ଟଙ୍କା ଦୋଷର ୩୦୦ ବଳେ

ଅନୁଶାସନ ମାମତି କୀ ବେଳେ ଆହୁତ କୀ ରାଜ୍ୟ ଦେବେ ଏବେ କୀ ଅଧ୍ୟକ୍ଷଣା ପ୍ରଭାବ ଯାଚାର୍ଯ୍ୟ ଦେବେ

२० अंद्रलाल राजा का विवाह २०१३-२०१४ में किया गया।

प्राज्ञता भवन्तु वृन्दर क्षेत्रं पूर्वा, तदा लापवलि पुष्टि किया अथा कार्यहि, जिस कारण से महाविधानलय का मानने चलता है इसके

କୋଟି : ଇହା ଆନ୍ଦରମଧ୍ୟ ଲାଗୁ ହେ ହସ୍ତ ଛାଇବା
କାହାରାଠି ହେଲୁ ଓ ଆଜ ଆଜି ବାବେ ଶମ୍ଭୟ ହେ

1910 May 1909 1910 1910 1910
1912 Fe 1912 Hs 1912 1912

प्रकाश

3

Principal
Govt. College Gharghoda
Distt. Raigarh (C.G.)

* ब्रह्म का पारम्परा भी सबों कुमार द्वितीय
अग्र प्राह्याप्ति शुभात्मा द्विरा अनश्चामान समिति

के सभी वास्तविक का स्वागत करने के लिए